

MOHINI PATKAR Roll no. 61

DoE10Ed- IVth Sem

Online Assignment - (Ist Chapter)

विषय - शैक्षिक प्रबन्धन और शैक्षिक प्रशासन

1. शैक्षिक प्रबन्धन या आयोजन का क्या अर्थ है ?

- शैक्षिक प्रबन्धन एवं आयोजन का मुख्य कार्य शिक्षा के प्रबन्धों व्यवस्थाओं एवं क्रियाओं का व्यवस्थित एवं सुदृढ़ समाधान है।

शैक्षिक प्रबन्धन एवं आयोजन का अर्थ हम उन सभी शिक्षा विकास की क्रियाओं से लगाते हैं।

शैक्षिक प्रबन्धन एवं आयोजन का मुख्य लक्ष्य व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन के उत्थान की ओर केन्द्रित होता है।

Q-2 संस्थागत नियोजन से आप क्या समझते हैं?

Ans - संस्थागत नियोजन — संस्थागत नियोजन के M.B Buch

अनुसार “ एक शैक्षिक संस्था द्वारा अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए, भविष्य में प्राप्त होने वाले साधनों के आधार पर सुधार एवं विकास के दृष्टिकोण से बनाई गई योजना, उस संस्था की संस्थागत योजना कहलाती है। ”

संस्था → (स्कूल) कोई कार्य करने का समूह
गत → निहित
नियोजन → योजनाबद्ध

Q-3

समुदाय प्रबंधन के अन्तर्गत
आते हैं? कौन - कौन से अभिकरण

Ans -

विद्यालय व्यवस्था में समुदाय
या समाज का प्रबन्धन
भी परमावश्यक है क्योंकि
विद्यालय विकास में समुदाय
की महत्वपूर्ण भूमिका
होती है।

समुदाय में विभिन्न प्रकार
की विचारधारा के व्यक्ति
होते हैं।

Q-4 प्रदेश में शैक्षिक वित्त के साधन कौन-कौन से हैं?

Ans - शैक्षिक वित्त विभाग -

यह विभाग विभिन्न राज्यों के शिक्षा विभागों, शिक्षा संस्थाओं विश्वविद्यालयों आदि के उन अधिकारियों को प्रशिक्षण देता है जो वित्त का नियन्त्रण एवं प्रशासन करते हैं। जिससे वे अपव्यय रोक सकें और वित्त पर प्रभावी नियन्त्रण कर सकें।

Q-5 विद्यालय में प्रयोगशाला का क्या महत्व है? प्रयोगशाला संबंधी सावधानियाँ बताइये?

Ans - विद्यालय में प्रयोगशाला का निम्न महत्व है -

* प्रयोगशाला विद्यालय में पढ़े / पढ़ाये गये विषयों को अपने जीवन में प्रयोग करने के लिये आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराती है।

प्रयोगशाला सम्बन्धी सावधानियाँ—

* प्रयोगशाला सम्बन्धित वस्तुओं का उचित रखरखाव ।

* कुछ रसायन अंधकार तथा निर्वात में रखे जाते हैं उनके लिये अलग कमरों की व्यवस्था ।

* जीव विज्ञान और उससे सम्बन्धित जीव-जन्तुओं को उचित द्रव्य में रखा जाना चाहिये ।